

हैं, यह औषधीय वृक्ष है और इसे धाय भी कहते हैं।

धवनी स्त्री. (तत्.) 1. धौंकनी, भाथी 2. शालपर्णी, सरिवन।

धवर पुं. (तद्.) एक पक्षी जिसका गला लाल और सारा शरीर सफेद होता है **वि.** सफेद, उजला।

धवरा वि. (तद्.) धवल, सफेद, उजाला।

धवराहर पुं. (तद्.) धरहरा, धौरहर, धवल गृह।

धवरी स्त्री. (तद्.) 1. सफेद रंग की गाय 2. धवर पक्षी की मादा **वि.** सफेद रंग की।

धवलकौष्टल स्त्री. (तद्.) वैश्यों की एक जाति।

धवल वि. (तत्.) 1. उजला, सफेद 2. निर्मल, स्वच्छ 3. सुंदर पुं. 1. सफेद रंग 2. धव का वृक्ष 3. सफेद परेवा या धौरा नामक पक्षी 4. चिनिया कपूर 5. सफेद मिर्च 6. छप्पय छंद का 42वाँ भेद 7. एक राग 8. बड़ा बैल 9. महल, विश्राम करने का स्थान 10. अर्जुन वृक्ष 11. राजस्थानी मंगल-गीत।

धवलगिरि पुं. (तत्.) हिमालय की एक प्रसिद्ध चोटी, धौलागिरि उदा. बर्फ से ढँकी धवलगिरि हिमालय की बेहद सुंदर चोटियों में से एक है।

धवलगृह पुं. (तत्.) सफेद ऊँचा भवन।

धवलता स्त्री. (तत्.) सफेदी, उजलापन प्रयो. सभा में उपस्थित नेताओं के वस्त्रों की धवलता देखते ही बनती है।

धवलत्व पुं. (तत्.) सफेदी, उजलापन।

धवलना स.क्रि. (तद्.) उज्ज्वल करना, निखारना, चमकाना।

धवलपक्ष पुं. (तत्.) 1. शुक्ल पक्ष 2. हंस।

धवलमृत्तिका स्त्री. (तत्.) खडिया मिट्टी, दुग्धी।

धवलश्री स्त्री. (तत्.) एक रागिनी जो संध्याकाल में गाई जाती है।

धवलांग वि. (तत्.) 1. जिसके अंग सफेद हों 2. जन्म से ही जिसका सारा शरीर, बाल, भौंहे आदि सफेद हों 3. हंस।

धवला वि. (तत्.) सफेद उजली स्त्री. 1. सफेद गाय 2. गौर वर्ण वाली स्त्री पुं. (धवल) सफेद बैल **वि./स्त्री.** सफेद रंग की उजली।

धवलाई स्त्री. (तद्.) सफेदी, उजलापन।

धवलित वि. (तत्.) जो सफेद किया गया हो, सफेद बनाया हुआ प्रयो. बर्फ से धवलित हिमालय की चोटियाँ मन मोह रही थीं।

धवलिमा स्त्री. (तत्.) 1. सफेदी, श्वेतता प्रयो. हिमालय की ऊँची चोटियों पर बर्फ की धवलिमा बेहद आकर्षक लग रही थी।

धवली स्त्री. (तत्.) 1. सफेद गाय 2. एक रोग जिसमें बाल उम्र से पहले सफेद हो जाते हैं 3. सफेद गोल मिर्च।

धवलीकृत वि. (तत्.) जो सफेद किया गया हो या किया गया हो।

धवलीभूत वि. (तत्.) जो सफेद हुआ हो।

धवलोत्पल पुं. (तत्.) सफेद कमल, कुमुद।

धवा पुं. (तद्.) दे. धव।

धवाणक पुं. (तत्.) वायु, पवन।

धवाना स.क्रि. (तद्.) दौड़ाना, दौड़ने के लिए प्रवृत्त करना।

धवित्र पुं. (तत्.) हिरण की खाल का पंखा जिससे यज्ञ की आग सुलगाई जाती थी।

धस पुं. (देश.) 1. जल आदि में पैठना, गोता, डुबकी 2. भुरभुरी मिट्टी वाली जमीन 3. धँसना या धँसाना।

धसक स्त्री. (देश.) 1. सूखी खाँसी 2. दहलने की अवस्था, दहशत, भय 3. डाह/ईर्ष्या।

धसकन स्त्री. (देश.) 1. दहलने, डरने की क्रिया या अवस्था, 2. दबना अथवा धँसना 3. जलन, ईर्ष्या 4. धसकने की क्रिया।

धसकना अ.क्रि. (देश.) 1. नीचे को धँस जाना, दब जाना उदा. बरसात में सड़क धंसकने से यातायात अवरुद्ध हो गया 2. डाह करना, ईर्ष्या करना।